CBSE Test Paper 04

Ch-12 मेघ आए

1. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
   आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
   दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
   पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
   मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

   i. गाँव में मेघ का स्वागत किस प्रकार किया जाता है और क्यों?
   ii. 'पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के' का आशय स्पष्ट कीजिए।
   iii. गाँव में मेघ के आने पर दरवाजे खिड़कियाँ क्यों खुलने लगीं?

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

3. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के। मेघ आए बड़े बन-टन के सँवर के। पंक्ति का काव्य-सौन्दर्ये लिखिए।

4. मिलन के अश्रु ढरके के माध्यम से कवि ने क्या कहना चाहा है? मेघ आए कविता के आधार पर बताइए।

5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

6. क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की। पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

CBSE Test Paper 04

Ch-12 मेघ आए

Answer

1. i. गाँव में मेघ का स्वागत शहरी मेहमान (दामाद) की तरह किया जाता है, क्योंकि वे गाँव में वर्षा लाने वाले होते हैं। वर्षा का ग्रामीण जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। जिस प्रकार मेहमान के आने से घर के लोग हर्षित हो उठते हैं वैसे ही गाँव के लोग उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देख हर्षित हो जाते हैं।
   ii. ग्रामीण जीवन पूरी तरह से कृषि पर आश्रित है। कृषि कार्य तब ही संभव है जब वर्षा हो इसलिए गाँव में बादलों का बहुत महत्व है। अतः गाँव के लोग बादलों के आने के प्रति उसी प्रकार उत्सुक रहते हैं, जिस प्रकार शहरी दामाद के आने के प्रति उत्सुकता दिखाते हैं।
   iii. गाँव में मेघ के आने पर दरवाजे-खिड़कियाँ इसलिए खुलने लगीं जिससे गाँव की महिलाएँ भी मेघ रूपी मेहमान को देख सकें।
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को व्याकुल नवविवाहिता की भाँति देखा। उसके इस तरह देखने का कारण था कि बादल रूपी मेहमान पूरे एक साल बाद आयी थी। वह गर्मी (विरह वेदना) से व्याकुल थी साथ ही मानिनी भी थी इसलिए उससे अपनी नराज़गी प्रकट कर रही थी।
3. **काव्य-सौंदर्य:**

   भाव-सौंदर्य- गाँव में मेघ रूपी बादलों के आने का सजीव चित्रण किया गया है।

   शिल्प-सौंदर्य-
   - भाषा आम-बोलचाल के शब्दों से युक्त है जिसमें चित्रात्मकता है।
   - सजे-धजे मेहमान द्वारा बादलों को उपमानित करने से उत्प्रेक्षा अलंकार है।
   - मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के-मानवीकरण एवं अनुप्रास अलंकार है।
4. गर्मी की मार से मनुष्य, पशु-पक्षी सभी वर्षा होने का बेचैनी से इंतजार कर रहे थे, पर वर्षा में विलंब होता देख सभी के मन में भ्रम की स्थिति बन गई थी कि इस साल वर्षा होगी भी या नहीं। इस इंतजार के बाद जब बादल आए तो विरह व्याकुल लता ने बादल (मेघ) को उलाहने दिए, शिकवे-शिकायतें कीं। गिले-शिकवे दूर हुए। दोनों के मिलन से उनकी आँखों से खुशी के आँसू बह निकले। वे अपनी खुशी न छिपा सके अर्थात् वर्षा होने लगी और खुशी का संचार हो उठा।
5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में निम्नलिखित परिवर्तन हुए-
   i. ठंडी हवाएँ चलने लगीं जो बढ़कर आँधी में बदल गईं।
   ii. गली में धूल उड़ने लगी।
   iii. ऊँचे पेड़ों की चोटियाँ तथा शाखाएँ झुकने-उठने लगीं।
   iv. लताएँ हवा में लहराने लगीं।
6. **भाव-**लता रूपी नायिका मेघ रूपी मेहमान से क्षमा माँगते हुए कहने लगी-मुझे माफ करना क्योंकि एक साल तक तुम्हारे न आने को मेरे मन में भ्रम बन गया था।

   अन्य भाव-वर्षा होने से व्याकुल ग्रामवासियों के मन का यह भ्रम मिट गया कि इस साल मेघ नहीं बरसेंगे।